Nai Dunia (Indore), 20th July 2022, Page - 03

आइआइटी **प्रतिभागियों को मिलेगा 70 हजार रुपये तक का स्टाइपेंड**

आटोमोबाइल, स्वास्थ्य, कृषि के छोटे कोर्स शुरू

गजेन्द्र विश्वकर्मा ● इंदौर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने पांच क्षेत्रों में अल्प समय के कोर्स तैयार किए हैं। इनमें डिजिटल एप्लीकेशन इन मैन्युफैक्चरिंग एंड मैकेनिक टूल्स, डिजिटल एप्लीकेशन हेल्थ केयर, डिजिटल एप्लीकेशन इन स्मार्ट फार्मिंग, डिजिटल एप्लीकेशन इन स्मार्ट सिटी एंड स्मार्ट सोसायटी और डिजिटल एप्लीकेशन इन ब्लेंडेड लर्निंग एंड गेमीफिकेशन शामिल हैं। इसमें बीई, बीटेक, एमई, एमएससी और पीएचडी कर चुके प्रतिभागी प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स को 89 दिनों में पूर्ण कराया जाएगा।

आइआइटी ● **फाइल फोटो**

खास बात यह है कि जिन प्रतिभागियों का कंपनियों या उद्योगों में अच्छा अनुभव और शिक्षा प्राप्त करते समय अच्छा प्रदर्शन रहा है, उन्हें स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। इसकी राशि 30 हजार से लेकर 70 हजार रुपये तक होगी। जिन विद्यार्थियों को इन कोर्सेस में प्रवेश लेना है, वे आइआइटी इंदौर के पोर्टल पर उपलब्ध गूगल फार्म भरकर आवेदन कर सकते हैं। कोर्स में चयन लिखित और साक्षात्कार के आधार पर होगा।

कम समय के और भी कोर्स होंगे तैयार : आइआइटी इंदौर ने विभिन्न विषयों में कौशल बेहतर करने में अपना योगदान देने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसके तहत दृष्टि फाउंडेशन बनाया गया है। इसमें टेक्नोलाजी इनोवेशन हब की स्थापना की गई है। इन अल्पकालीन कोर्स को आइआइटी इंदौर के दृष्टि फाउंडेशन के तहत तैयार किया गया है। आइआइटी इंदौर में टेक्नोलाजी इनोवेशन हब तैयार किया गया है। उद्योगों और कंपनियों की जरूरतों को देखते हुए आइआइटी अल्पकालीन कोर्स तैयार कर रहा है। इसके अलावा डेटा साइंस, मटेरियल साइंस, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिकल जैसे विषयों में कई तरह के कोर्स तैयार कर रहा है। आइआइटी इंदौर के अधिकारियों का कहना है कि हमारा मकसद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा देने के साथ समाज की बेहतरी के लिए भी काम करना है।

उज्जैन के सैटेलाइट परिसर में भी प्रारंभिक तौर पर कम समय के कोर्स की शुरुआत कराने की योजना आइआइटी प्रबंधन की है।